by Government so as to take necessary measures to build on the gains already made, maintain a sustained growth in productivity and gainful employment and attain international competitiveness.

हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने में विफल रहना

5914. श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गत आठ वर्षों में हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड अपने उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफल रहा है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) इस उपक्रम को अपने उत्पादन लक्ष्य प्राप्त करने के लिये केन्द्रीय सरकार ने अब तक कितनी सहायता दी है ; और

(घ) हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड ने लक्ष्य प्राप्त करने के लिये अपने स्तर पर क्या प्रयास किये हैं ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) कंपनी, 1988–89 के सिवाय, गत आठ वर्षों में लक्षित उत्पादन प्राप्त करने में सफल नहीं हो सकी है।

(ख) उत्पादन में यह कमी मूलत: धन की कमी के कारण थी जिससे समय पर उपयुक्त अंतर्वस्तुओं और आवश्यक कच्चे माल की प्राप्ति पर असर पड़ा। इसके अलावा, जरूरी उपकरण और मशीनरी की कम उपलब्धता, उच्च ऊपरी लागतों, अपर्याप्त और अनियमित विद्युत आपूर्ति और कभी-कभी क्रयादेशों की कमी से भी उत्पादन प्रभावित हुआ। घटिया कार्य-प्रणाली और उत्पादकता का भी इस पर प्रभाव पड़ा।

(ग) 1985–86 से 31 मार्च, 1994 तक, सरकार ने कंपनी को वित्तीय सहायता प्रदान की है जो 116.73 करोड़ रुपये इक्विटी के रूप में, 47.81 करोड़ रुपये योजना ऋण के रूप में, 166.85 करोड़ रुपये गैर-योजना ऋण के रूप में, 20.50 करोड़ रुपये गैर-योजना (स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति स्कीम) के रूप में और 74.97 करोड़ रुपये स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (अनुदान) के रूप में दी गई।

(घ) कंपनी द्वारा अपने कार्य निष्पादन में सुधार के लिए शुरू किए गए कुछ प्रमुख उपाय विवरण में दिए गए हैं।

विवरण

हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा अपने कार्य निष्पादन में सुधार हेतु आरम्भ किये गये महत्वपूर्ण उपाय

1. उत्पादन को इष्टतम करने के लिए फाऊण्ड्री फोर्ज संयंत्र से सहायक संयंत्रों में कास्टिंग्स और फोर्जिंग्स की आपूर्ति को गहराई से मानीटर किया जा रहा है।

2. बेहतर कार्य प्रचालन के लिए फाऊण्ड्री फोर्ज संयंत्र (एफ. एफ. पी.) के अनुरक्षण संगठन को पुनर्गठित किया गया है।

3. पद्धतियों, कारपोरेट योजना तथा आई.इ.टी. जैसे निगम स्तर पर कुछेक मुख्य विभागों को सुदृढ़ एवं पुनर्गठित किया गया है।

4. अपशिष्टों को कम करने तथा गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए प्रौद्योगिकीय क्षेत्र पर बल दिया गया है।

5. कंपनी के लिए आई.एस.ओ.–9000 प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवश्यक कार्रवाई आरम्भ की जा चुकी है।

6. बिजली की आपूर्ति हेतु अतिरिक्त व्यवस्था के रूप में, 11.2 मेगावाट के 4 डी. जी. सेटों को चालू कर दिया गया है।

7. एक बाहरी परामर्शदाता के मार्ग-दर्शन में निष्पादन योजना में कुल सुधार करने को अन्तिम रूप दिया गया है और यह कार्यान्वयनाधीन है।

8. एक बाहरी परामर्शदाता मैसर्स लवलुक एण्ड लुइस की सहायता से संगठनात्मक ढांचे का वृहद युक्तिकरण कार्य पूरा कर लिया गया है।

9. वर्ष 1993–94 के लिए 16.50 करोड़ रुपये की लागत कटौती योजना बना ली गई है जिसका सक्रिय रूप से पालन किया जा रहा है। योजना का मुख्य बल स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति स्कीम के माध्यम से श्रमशक्ति को घटाने, बेशी श्रमशक्ति तथा उपलब्ध कि-फायती सामग्री का उपयोग करने, धातुमिश्रण सामग्री की खपत में कमी करने और इंजीनियरिंग आदि को प्रभावोत्पादक बनाने पर है। अप्रैल 1993 से जनवरी, 1994 की अवधि में लागत में 9.28 करोड़ रुपये की कटौती कर ली गई है।

10. संगठन के सभी स्तरों पर संचार माध्यम को मजबूत बना दिया गया है।

11. अनुशासन तथा समय की पाबंदी में सुधार किया गया है।

12. हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन लि. में बेशी श्रमशक्ति के युक्तिकरण के लिए कंपनी में स्वैच्छिक सेवा-निवृत्ति स्कीम लागू है। स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति स्कीम के अंतर्गत दिनांक 1.2.1994 तक सेवानिवृत्त किए गए कर्मचारियों की कुल संख्या 4105 है। कंपनी द्वारा चालू वर्ष में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति स्कीम के अंतर्गत और अधिक कर्मचारियों को सेवानिवृत्त करने के सभी प्रयास किए जा रहे हैं जिससे कि चालू वर्ष के अंत तक लगभग 13,000 कर्मचारी रह जाएं।

13. कंपनी ने एक टर्न अराउंड योजना तैयार की है जिसे औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड द्वारा नियुक्त प्रचालन एजेंसी, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक को संदर्भित किया गया है। औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड ने भारतीय औद्यो-गिक विकास बैंक से कहा था कि वह कंपनी की टर्न अराउंड योजना की जांच करें और अपनी सिफारिशें फरवरी, 1994 के अंत तक प्रस्तुत कर दें। टर्न अराउंड योजना की भारतीय औद्योगिक विकास बैंक द्वारा जांच की जा रही है और उनकी सिफारिशें अभी प्राप्त नहीं हुई हैं।

14. जैसे ही भारतीय औद्योगिक विकास बैंक की सिफारिशें मिल जाती हैं और सभी संबंधित एजेंसियों तथा औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड द्वारा पुनरुद्धार योजना स्वीकार कर ली जाती है, वैसे ही इसको कार्यान्वित किया जाएगा और कंपनी के पुनरुद्धार हेतु आवश्यक वित्तीय सहायता दी जाएगी।

Investment proposals received from German investors

5915. SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government have received any investment proposals particularly those in infrastructure sector in response to Prime Minister's invitation to German investors, made during his recent visit to that country; and

(b) if so, the detailg thereof?